Anand
DATE
PAGE NO

ओडियो, विडियो, रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

दिनांक 02/06/21

फोल्डर नं :- 10 स्थान - लाखेताली (बाड़मेर)

ZOOM0016 WAV. :- ट्रेक समयावधि 29.24 मिनट

कलाकार का नाम - (उसमान खां) गायन / वादन

पिता का नाम - - मुरीद खां

पता -> गांव लाखेताली तह० बाड़मेर जिला बाड़मेर

सहायक कलाकार

५

२

ओडियो रिकॉर्डिंग का समय

विशेष :- कथा - (राजा की कथा)

विशेष - विवरण

विशेष-विवरण - एक बार एक राजा था। उसका एक बेटा था। और बेटे के दो दोस्त थे। एक था सेठ दलीचन्द का और दुसरा था दीवान का लड़का इनकी दोस्ती बहुत गहरी थी। एक दिन सेठ ने अपने बेटे से कहा कि मेने तुम्हारी शादी बचपन में ही कर दी थी अब तु अपने भाईयों को साथ लेकर जा औरअपनी पत्नी को घर ले आ। तो उस लड़के ने अपने पिताजी से कहा कि मेरे साथ मेरे भाई नहीं मेरे दो दोस्त एक तो राज कुमार और एक अपने दीवान साहब का लड़का।

ये तीनो अपने घोड़े लेकर वोमाती नगरी शहर की तरफ रवाना हो गये। कुछ समय बाद वे वहा पहुंच गये। तो इनके लिए अलग से महल बनाया हुआ था। सेठ का लड़का अपनी पत्नी के पास चला जाता है। जिस महल में राज-कुमार और दीवान का लड़का ठेहरे हुऐ थे ठीक सामने एक वेश्या का मकान था, राजकुमार और वेश्या की आखे आपस में टकराती है। तो राजकुमार दीवान के लड़के को उसके पास भेजता है।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

जाओ उसे पुछकर आओ एक मुर्गे का कितना पैसा लेती है।
दीवान का लड़का वैश्या से पुछने जाता है तो वह केहती है कि
मै एक लाख रूपये लुगी, वह पुछकर वापस रवाना हो जाता है
तो देखता है कि एक बुड़िया रो रही है। तो उसने उससे पुछा
तुम रो क्यु रही हो। बुड़िया ने बताया आज-तक जितने भी लोग
इस वैश्या के पास गये है उनमें से एक भी जिन्दा वापस
नहीं आया है।

तो वह वहा राजकुमार की सुरक्षा करने के लिए
रूक जाता है। राज कुमार वैश्या के आता है। उस वैश्या के पेट में
पदम नागिन होती है। जो भी आदमी वैश्या के पास आता है उसे वह
मारकर वापस पेट में चली जाती है। उस राजा राजकुमार वहां गया
तो दीवान का लड़का उसकी सुरक्षा के लिए वहा था। नागिन हमेशा
की तरह पेट से निकलकर बाग में घुमने गई तो दीवान के लड़के
ने उसके तीन हिसे कर दिये।

उसे मारकर किसी से ढक दिया तीनो हिसे
सोने के बन गये। और दीवान का लड़का वहा से चला गया।
वापस आते समय वह एक स्त्री को देखता है जो कि नौ सौ
नदिया और सात सौ समद्र पार करके एक महाराज के पास जाती थी
वह स्त्री उनके दोस्त की पत्नी थी। दीवान के लड़के को यह
मालुम नही था। तो वह भी उनका पीछा करने लगता है। वह स्त्री
महाराज का दरवाजा खटखटा ती है। तो महाराज केहता है कि
आज इतना लेट कैसे हो गई।

चली जाओ मै दरवाजा नहीं खोलता कुछ समय
वह दरवाजा खोलता और उस स्त्री का नाक अपन मुंह में पकड़
लेता है उस समय दीवान का लड़का अपनी तलवार से उसका
सर काट देता है। और वह औरत अपन घर चली जाती है
ये भी वापस लोटता है तो देखता है कि एक मन्दिर में चार
चोर आपस में बाते कर रहे हैं। ये उनकी बाते सुनने लगता
है तो एक चोर बोलता है कि मुझे अपने मनचाह धन
मिल गया तो मै एक पैसा लाके भगवान को चढ़ा दुंगा

बस मुझे मिले दुसरा बोलता है मुझे मिल गया तो मैं एक बड़ा सा बकरा चढ़ा दुंगा तीसरा बोलता है मुझे मिल गया तो भैंसे चढ़ा दुंगा और चौथा बोलता है कि अगर मुझे अपने मन चाहा धन प्राप्त हुआ तो इस गांव के दरबार की बेटी को यहा ला कर उसकी बली चढ़ा दुंगा। ये चारों ये प्रसाद बोलकर चोरी करने निकल जाते है। दीवान के लड़के ने कहा ये सच बोल रहे है या झूठी बाते कर रहे है।

मैं देख ही लेता हूँ तो दीवान का लड़का वहां रुक जाता है। सुबह होते है वह चारों चोर धन की बोरिया भर कर उस मन्दिर में पंहुच जाते है। और अपना अपना प्रसाद लाते है तीन चोर तो अपना प्रसाद ले आते है और चौथे से पुछते है भाई आपने दरबार की लड़की की बली चढ़ाने की बोली थी तो वह उससे केहता है तुम चढ़ाना मत मैं उस लड़की को लेकर आता हूँ फिर चारों साथ में चढ़ाते है।

चौथा चोर महल जा कर उस लड़की को लेकर आता है। और भगवान को बली चढ़ाते है सबसे पहले भैंसेवाला जाता है तो दीवान का लड़का उसे मारकर छुपा देता है उसके बाद बकरे वाला जाता है वह उसको भी मार देता है फिर तीसरे को भी मार देता है अन्त में लड़की की बली देने वाले को भी मार देता है। और लड़की को महल छोड़ने जाता है तो लड़की बोलती है कि मैं तुमसे शादी करूँगी।

तो वह केहता है नहीं बेटा मैंने तुझे बेटी बोल दिया है अब तुम मेरी बेटी जैसी है। तो वह केहती है कि मैं ~~चिल्ला~~ चिलाऊँगी और आप को पकड़ा दुंगी। तो वह केहता है तुम कुछ भी करलो मैं तुमसे शादी नहीं करूँगा। उधर वह स्त्री जो महाराज के हाथों अपना नाक नटा के आई थी। वह उसका इलजाम अपने पति पर डाल देती है दूसरी ओर जिसके घर चोरी हुई थी वो भी अपनी फरियाद लेकर दरबार के पास आते है। और वैश्या का इलजाम राज कुमार के सर आ जाता है। और दरबार न्याय सुनाते है।

DATE :
PAGE NO. :

तो राज कुमार और सेठ का लड़का दोनों को कटगरे मे खड़ाकर दिया जाता है। राज कुमार पर वेश्या का इल्जाम होता है और सेठ के लड़के पर अपनी पत्नी से छेड़खानी का, तो दीवान के लड़के को भी दरबार की लड़की की इज्जत पर हमला करने के केस मे गिरफ्तार किया जाता है। जब दरबार की कार्यवाही सुरू होती है तो दीवान का लड़का बोलता है कि महाराज आपने इन दो बेगुनाहओ को क्यू पकड़ा है।

आप का असली मुजरीम तो मै हूँ फिर वो सारि कहानी दरबार के सामने देहराता है तो दरबार को सारीबात समज मै आ जाती है। और अपनी लड़की का विवाह राज-कुमार के साथ कर देता है, और सेठ को दुसरी लड़की विवाह मे दी जाती है क्योकि पेहली वाली महाराज के पास जाया करती थी। महाराज ने उसका नाक काट लिया था।

फिर वह तीनो वहां से वापस अपने घर की तरफ रवाना हो जाते है। तो कुछ समय बाद वह घर पहुँच जाते है। घर वापसी पर उनका बहुत अच्छा स्वागत किया जाता है।